1	2	3
9.	Jammu & Kashmir	0.44257
10.	Karnataka	1.61857
11.	Kerala	0.79003
12.	Madhya Pradesh	5.08892
13.	Maharashtra	3.78673
14.	Manipur	0.31540
15.	Meghalaya	0.05397
16.	Mizoram	
17.	Nagaland	0.07240
18.	Orissa	2.00014
19.	Punjab	1.86550
20.	Rajasthan	1.27076
21.	Sikkim	
22.	Tamil Nadu	2.63912
23.	Tripura	0.06634
24.	Uttar Pradesh	8.38210
25.	West Bengal	2.30923
	Total States	43.14769
Union Territories		
1.	Andaman & Nicobar	
2.	Chandigarh	0.002966
3.	Dadar & N. Haveli	0.004220
4.	Daman & Diu	0.001300
5.	NCT Delhi	0.029154
6.	Lakshadweep	0.000243
7.	Pondicherry	0.002877
	Total UTs	0.040760
	Grand Total	43.18850

मध्य प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा के लिए बृहद सिंचाई परियोजनाएं

2626. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा राज्यों के लिए बृहद सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में कोई विस्तृत रिपोर्ट जारी की है;

(ख) यदि हां, तो इनमें से कितनी परियोजनाएं राज्य सरकारों के पास लम्बित पड़ी हैं;

(ग) राज्य सरकारों द्वारा लम्बित पड़ी परियोजनाओं के संबंध में केन्द्र सरकार को सम्बद्ध जानकारी अभी तक न दिए जाने के मुख्य कारण क्या हैं;

(घ) क्या सरकार ने केन्द्रीय जल आयोग द्वारा उठाए गए मुद्दों को सम्बद्ध राज्य सरकारों को भेज दिया है ताकि केन्द्रीय जल आयोग धनराशि का आकलन कर सके; और

(ङ) यदि हां, तो राज्य सरकारें यह जानकारी कब तक भेजने के लिए सहमत हुई हैं?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (ङ) केन्द्रीय मूल्यांकन अभिकरणों की टिप्पणियां परियोजना-वार राज्यों को भेजी जाती है। मूल्यांकन दो प्रकार की प्रक्रिया से होता है जिसमें प्रेक्षणों/टिप्पणियों एवं अनुपालन का राज्यों एवं केन्द्र के बीच आदान-प्रदान किया जाता है तथा परियोजना की स्वीकृति केन्द्रीय मूल्यांकन अभिकरणों की टिप्पणियों की अनुपालना की तत्परता पर निर्भर करती है। मध्य प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा से प्राप्त बृहद् सिंचाई परियोनजाओं का विवरण एवं उनकी वर्तमान स्थिति इस प्रकार है:-

राज्य का नाम	जांच की जा रही परियोजनाएं/राज्य सरकारों से अनुपालना की प्रतीक्षा	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की कुछ टिप्पणियों और/अथवा स्वीकृति के अधीन तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं	कुल
मध्य प्रदेश	2	7	9
गुजरात	-	1	1
उड़ीसा	4	3	7
	6	11	17

बाण सागर परियोजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश को जल की आपूर्ति

2627. **श्री मनोहर कान्त ध्यानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बाण सागर समझौते के अन्तर्गत कनहर परियोजना से उत्तर प्रदेश को 0.25 एम.ए.एफ. जल देने का निर्णय किया गया था;

(ख) क्या यह भी सच है कि उत्तर प्रदेश द्वारा कनहर नदी पर बांध का निर्माण करके उक्त जल को प्राप्त करना था;

(ग) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश की डूब क्षेत्र में आने वाली पूरी तरह से बंजर पड़ी भूमि के उपलब्ध न कराए जाने के कारण परियोजना में विलम्ब हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो केन्द्र सरकार ने अब तक इस संबंध में क्या कार्यवाही की है और उक्त भूमि हेतु स्वीकृति प्राप्त करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है?

कृषि और जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) जी, हां।

(ख) से (घ) इस परियोजना को कम लाभ लागत अनुपात एवं अन्तर्राज्यीय मुद्दों के समाधान न होने के कारण अनुमोदित नहीं किया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार से संशोधित परियोजना रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

Fall in Ground Water Level

2628. SHRI AMAR SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that underground water level has been falling at the rate of 40 to 50 cm. annually in certain districts of Punjab for the last more than 15 years;

(b) if so, what are the details thereof and the names of districts which have witnessed major fall in the water level;

(c) whether any survey has been carried out in the neighbouring States of Haryana, Himachal Pradesh and Western U.P. in this regard and if so, the details thereof; and

(d) what is Government's reaction in regard to the constant decline in the water level?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL): (a) and (b) Long term observations made by Central Ground Water Board have shown a decline in ground water level at the rate of 40 to 50 cm. annually in some districts of Punjab. District-wise details of decline in the level of ground water are given in the enclosed Statement (*See* below).

(c) The Central Ground Water Board has carried out survey about fall in the level of ground water in the neighbouring States of Haryana, Himachal Pradesh and Western Uttar Pradesh. It is observed that there is a decline of more than 40 cm per year in the level of ground water in certain parts of the districts of Ambala, Panchkula, Bhiwani, Faridabad, Gurgaon, Hissar, Jind, Karnal, Panipat, Kaithal, Kurukshetra, Mahendragarh, Rewari, Rohtak, Sirsa, Sonepat and Yamunanagar of Haryana. In Western Uttar Pradesh decline at the rate of 40 to 60 cm has been observed in certain parts of the districts of Agra, Bareilly, Etah, Ghaziabad, Mathura and Shahjahanpur. However, there is no significant fall of ground water level in Himachal Pradesh.

(d) The steps taken by the Government to check the declining trend in ground water level include:—

(i) Constitution of Central Ground Water Authority under the Environment (Protection) Act, 1986 for regulation and control of ground water management and development.

(ii) Circulation of a Model Bill to all the States/Union Territories to enable them to enact suitable legislation for regulation and control of ground water development.

(iii) Circulation of Manual on artificial recharge of ground water to the States/Union Territories to enable them to formulate area specific artificial recharge schemes to check the declining trend in ground water level.

(iv) Implementation of a Central Sector Scheme on studies in artificial recharge of ground water in some "over-exploited' and "Dark' blocks of the country.

Statement

District-wise details of decline in ground water level in Punjab.

Sl.No.	District	Decline of water levels per year in Punjab		
		40 cm	20-40 cm	upto 20 cm
01	Kapurthala	—	Dhilwan	Bholath, Nadala Kapurthala, Sultanpur, Lohian, Phagwara
02	Jalandhar	—	Nakodar, Shahkot Nurmahal	Bhogpur, Jalandhar West, Jalandhar East, Adampur
03	Nawanshahar	—	—	Aur, Banga, Nawanshahar, Saroya